an>

Title: The Speaker made references to the passing away of Shri Dileep Singh Bhuria, sitting member of the Lok Sabha; Shri Ismail Hussain, member, 15th Lok Sabha; Shri Denzil B. Atkinson, nominated member, 13th Lok Sabha; Shri Sheshrao Deshmukh, member, 6th Lok Sabha; Shri Rana Vir Singh, member, 7th and 8th Lok Sabhas; Shri Manoranjan Bhakta, member, 6th to 12th and 14th Lok Sabhas; Smt. Sheila Kaul, member, 5th, 7th and 8th Lok Sabhas; Shri Shashi Prakash, member, 10th Lok Sabha; Shri Chand Ram, member, 6th and 9th Lok Sabhas; Shri Rajkeshar Singh, member, 6th and 11th Lok Sabhas; Shri Pratapsinh Shankar Rao Mohite Patil, member, 13th Lok Sabha; Shri S.M. Bhattam, member, 8th Lok Sabha; Shri Moreshwar Save, member, 9th and 10th Lok Sabhas; and Shri Namdeo Harbaji Diwathe, member, 11th and 13th Lok Sabhas.

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को हमारे साथी श्री दिलीप सिंह भूरिया और तेरह भूतपूर्व सदस्यों - श्री इस्माइल हुसैन, श्री डेंजिल बी. एटकिंसन, श्री शेषराव देशमुख, श्री राणा वीर सिंह, श्री मनोरंजन भक्त, श्रीमती शीला कौल, श्री शशि प्रकाश, श्री चांद राम, श्री राजकेशर सिंह, श्री प्रताप सिंह शंकर राव मोहिते पाटील, श्री एस.एम. भट्टम, श्री मोरेश्वर सावे और श्री नामदेव हरबाजी दिवाथे के दुःखद निधन के बारे में सूचित करना है।

श्री दिलीप सिंह भूरिया मध्य प्रदेश के रतलाम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के वर्तमान में प्रतिनिधि थे। वे मध्य प्रदेश के झाबुआ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्यारहवीं लोक सभा के भी सदस्य थे।

श्री भूरिया वर्ष 1972 से 1977 तक मध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे।

एक सुयोग्य सांसद, श्री भूरिया ने दसवीं लोक सभा में लोक सभा की आवास समिति के सभापति और संविधान संशोधन अधिनियम समिति (अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायती राज) के सभापति के रूप में कार्य किया। अपने लंबे और उत्कृष्ट संसदीय जीवन के दौरान वे विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य रहे। वे वर्ष 1998 से 2001 तक राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष और वर्ष 2002 से 2004 तक अनुसूचित क्षेत्र एवं अनुसूचित जनजातीय आयोग के अध्यक्ष रहे। एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में श्री भूरिया ने निर्धन, जनजातीय और भूमिहीन श्रमिकों के उत्थान के लिए कार्य किया तथा दहेज और अंधविश्वास जैसी सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। श्री दिलीप सिंह भूरिया का निधन 71 वर्ष की आयु में 24 जून, 2015 को गुड़गांव में हुआ।

श्री इस्माइल हुसैन असम के बारपेटा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए पंद्रहवीं लोक सभा के सदस्य थे। श्री हुसैन ने पंद्रहवीं लोक सभा के दौरान कोयला और इस्पात संबंधी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। इससे पूर्व श्री हुसैन वर्ष 1983 से 1985 तक और 1991 से 2006 तक चार बार असम विधान सभा के सदस्य रहे। उन्होंने असम सरकार में कैबिनेट मंत्री और राज्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया। श्री हुसैन ने बारपेटा की जनता की सामाजिक और आर्थिक दशा में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किया। श्री इस्माइल हुसैन का निधन 65 वर्ष की आयु में 24 अप्रैल, 2015 को गुवाहाटी में हुआ।

श्री डेंजिल बी. एटकिंसन तेरहवीं लोक सभा के मनोनीत सदस्य थे। श्री एटकिंसन तेरहवीं लोक सभा के दौरान श्रम और कल्याण संबंधी समिति के सदस्य थे। उन्होंने आंग्ल भारतीयों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया और तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य के आंग्ल भारतीय एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। श्री डेंजिल बी. एटकिंसन का निधन 70 वर्ष की आयु में 14 मई, 2015 को हुआ।

श्री शेषराव देशमुख महाराष्ट्र के परभनी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए छठी लोक सभा के सदस्य रहे। श्री देशमुख दो बार महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य भी रहे। श्री देशमुख छठी लोक सभा के दौरान आवास समिति के सदस्य रहे। श्री देशमुख का निधन 18 मई, 2015 को महाराष्ट्र के परभनी में हुआ।

श्री राणा वीर सिंह सातवीं और आठवीं लोक सभा में उत्तर प्रदेश के कैसरगंज संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सदस्य थे। श्री सिंह सातवीं लोक सभा के दौरान संसद सदस्यों के वेतन तथा भत्तों संबंधी संयुक्त समिति के और आठवीं लोक सभा के दौरान प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे। श्री राणा वीर सिंह का निधन 2 जून, 2015 को 83 वर्ष की आयु में उत्तर प्रदेश के बहराइच में हुआ।

श्री मनोरंजन भक्त छठी से बारहवीं और चौदहवीं लोक सभा में अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सदस्य थे। श्री भक्त ने एक योग्य संसदविद के रूप में दसवीं लोक सभा के दौरान प्राक्कलन समिति के सभापति, ग्यारहवीं लोक सभा के दौरान रेलवे अभिसमय समिति के सभापति और बारहवीं लोक सभा के दौरान लोक-लेखा समिति के सभापति के रूप में कार्य किया। वे अपने लंबे और विशिष्ट करियर के दौरान विभिन्न संसदीय समितियों के सदस्य भी रहे। श्री भक्त ने अत्यंत पिछड़े क्षेत्रों में ग्रामीण जनसमुदाय के कल्याण के लिए कार्य किया और उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में दलित लोगों के लिए बेहतर नागरिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी संघर्ष किया। श्री भक्त ने अनेक देशों की यात्राएं कीं। वे कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, मोस्को के दौरे पर गए भारतीय संसदीय शिष्टमंडल; वियतनाम के दौरे पर गए विधि शिष्टमंडल और संयुक्त राष्ट्र के दौरे पर गए भारतीय शिष्टमंडल के सदस्य रहे। श्री मनोरंजन भक्त का निधन 12 जून, 2015 को 76 वर्ष की आयु में कोलकाता में हुआ।

श्रीमती शीला कौल लखनऊ से पांचवीं, सातवीं और आठवीं लोक सभा तथा उत्तर प्रदेश के रायबरेली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से नौवीं और दसवीं लोक सभा की सदस्य थीं। श्रीमती शीला कौल वर्ष 1995 से 1996 तक हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल रहीं। श्रीमती शीला कौल वर्ष 1980 से 1984 तक केन्द्रीय शिक्षा, संस्कृति और समाज कल्याण राज्यमंत्री थीं। वे वर्ष 1991 से 1995 तक केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री और वर्ष 1995 के दौरान शहरी मामले और रोजगार मंत्री भी रहीं। इससे पूर्व श्रीमती शीला कौल 1968 से 1971 तक उत्तर प्रदेश विधान परिषद की सदस्य थीं। श्रीमती शीला कौल ने विभिन्न संसदीय समितियों की सदस्य के रूप में कार्य किया।

श्रीमती शीला कौल ने अपने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अनेक देशों की यात्राएं कीं। श्रीमती शीला कौल का निधन 13 जून, 2015 को 100 वर्ष की आयु में गाजियाबाद में हुआ।

श्री शशि प्रकाश उत्तर प्रदेश के चैल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से दसवीं लोक सभा के सदस्य थे। वे दसवीं लोक सभा के दौरान सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति के सदस्य रहे। श्री शशि प्रकाश का निधन 14 जून, 2015 को 63 वर्ष की आयु में दिल्ली में हुआ।

श्री चांद राम हरियाणा और उत्तर प्रदेश के सिरसा और हरदोई निर्वाचन क्षेत्रों से क्रमशः छठी और नौवीं लोक सभा के सदस्य थे। वे 1977 से 1979 तक केन्द्रीय जहाजरानी और परिवहन राज्य मंत्री रहे।

श्री चांद राम ने 1952 से 1957 तक और 1962 से 1966 तक दो कार्यकाल के लिए पंजाब विधान सभा के सदस्य, 1958 से 1962 तक पंजाब विधान परिषद के सदस्य और 1966 से 1967 तक एवं 1968 से 1977 तक तीन कार्यकाल के लिए हरियाणा विधान सभा के सदस्य के रूप में कार्य किया। वे 1958 से 1962 तक पंजाब विधान परिषद के उप सभापति रहे। श्री चांद राम 1966 से 1967 तक हरियाणा के उप मुख्य मंत्री थे। उन्होंने 1956 से 1966 तक कैबिनेट, राज्य और उप मंत्री के रूप में भी पंजाब राज्य की सेवा की। श्री चांद राम का निधन 15 जून, 2015 को 92 वर्ष की आयु में हरियाणा के रोहतक में हुआ।

श्री राजकेशर सिंह उत्तर प्रदेश के मछलीशहर और जौनपुर निर्वाचन क्षेत्रों से छठी और ग्यारहवीं लोक सभा के सदस्य थे। वे ग्यारहवीं लोक सभा के दौरान खाद्य, नागरिक आपूर्ति और सार्वजनिक वितरण समिति के सदस्य रहे। श्री राजकेशर सिंह का निधन 16 जून, 2015 को 80 वर्ष की आयु में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुआ।

श्री प्रताप सिंह शंकर राव मोहिते पाटील महाराष्ट्र के शोलापुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से तेरहवीं लोक सभा के सदस्य थे।

पहले, श्री पाटील वर्ष 1998 से 2003 तक महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य थे। उन्होंने वर्ष 1998 से 1999 तक महाराष्ट्र सरकार में राज्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया। श्री प्रताप सिंह शंकर राव मोहिते पाटील का निधन 6 जुलाई, 2015 को 60 वर्ष की आयु में मुम्बई में हुआ।

श्री एस.एम.भट्टम आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से आठवीं लोक सभा के सदस्य थे। श्री भट्टम आठवीं लोक सभा के दौरान सार्वजनिक उपक्रमों संबंधी समिति के सदस्य रहे।

पहले, श्री भट्टम वर्ष 1957 से 1967 और वर्ष 1972 से 1982 तक आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य थे। उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार में विभिन्न मंत्रालयों में मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

विद्वान श्री भट्टम को तेलुगू भाषा में चार पुस्तकों की रचना का श्रेय प्राप्त है। वे तेलुगू साप्ताहिक पूजारथम और तेलुगू दैनिक आंध्र जनता के सम्पादक भी थे। श्री एस.एम.भट्टम का निधन 6 जुलाई, 2015 को 89 वर्ष की आयु में विशाखापट्टनम में हुआ।

श्री मोरेश्वर सावे महाराष्ट्र के औरंगाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से नौवीं और दसवीं लोक सभा के सदस्य थे।

वे दसवीं लोक सभा के दौरान प्राक्कलन समिति और कृषि संबंधी समिति के सदस्य थे। उन्होंने देश के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रियता से भाग लिया।

श्री मोरेश्वर सावे का निधन महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 16 जुलाई, 2015 को 84 वर्ष की आयु में हुआ।

श्री नामदेव हरबाजी दिवटे महाराष्ट्र के चिमूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से ग्यारहवीं और तेरहवीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री दिवटे ने तेरहवीं लोक सभा के दौरान सभा पटल पर रखे जाने वाले पत्रों संबंधी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

इससे पूर्व, श्री दिवटे 1985 से 1995 तक दो कार्यकाल के लिए महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य रहे।

श्री नामदेव हरबाजी दिवटे का निधन 18 जुलाई, 2015 को नागपुर में 82 वर्ष की आयु में हुआ।

हम श्री दिलीप सिंह भूरिया और अपने तेरह पूर्व सहयोगियों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और मैं अपनी ओर से तथा सभा की ओर से शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूँ।

अब सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़ी रहेगी।

11.15 hrs.

The Members then stood in silence for short while.

HON. SPEAKER: Now, the House stands adjourned to meet again tomorrow the 22 nd July, 2015 at 11 a.m.

11.17 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, July 22, 2015/Ashadha 31, 1937 (Saka).